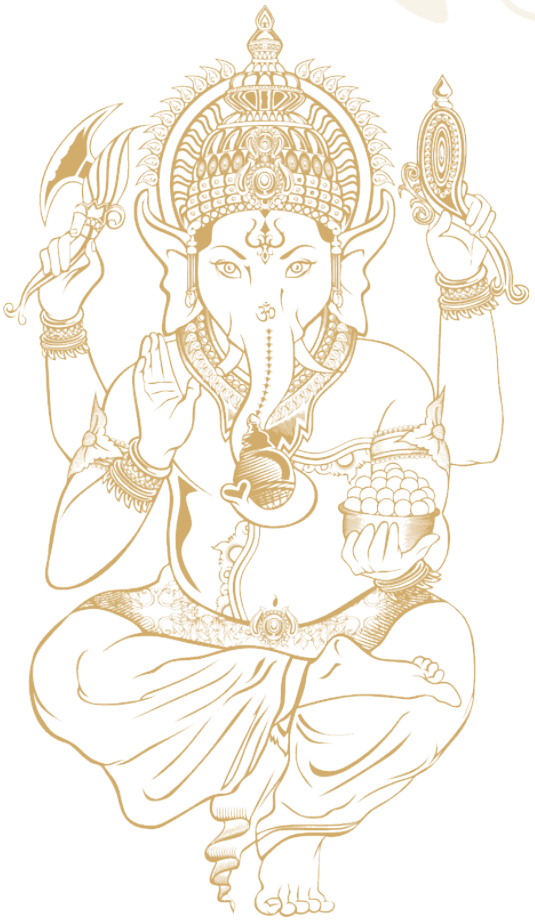

Mr.

Ms.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120152804

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
08/08/1999	जन्म तिथि	03/05/2003
रविवार	दिन	शनिवार
घंटे 22:50:00	जन्म समय	20:50:00 घंटे
घटी 42:56:09	जन्म समय(घटी)	38:12:26 घटी
India	देश	India
Rishikesh	स्थान	Rishikesh
30:07:00 उत्तर	अक्षांश	30:07:00 उत्तर
78:16:00 पूर्व	रेखांश	78:16:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:16:56	स्थानिक संस्कार	-00:16:56 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:39:32	सूर्योदय	05:33:01
19:05:11	सूर्यास्त	18:55:12
23:50:54	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:57

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
राहु 6वर्ष 1मा 17दि		11:19:33	मेष	लग्न	वृश्चिक	13:57:47	चन्द्र 8वर्ष 6मा 9दि	
शनि		21:52:29	कर्क	सूर्य	मेष	18:53:08	राहु	
24/09/2021		15:27:33	मिथु	चंद्र	वृष	11:57:49	12/11/2018	
24/09/2040		21:30:50	तुला	मंगल	मक	13:00:45	11/11/2036	
शनि	27/09/2024	05:06:06	कर्क	बुध व	मेष	24:34:59	राहु	25/07/2021
बुध	07/06/2027	10:41:56	मेष	गुरु	कर्क	15:29:01	गुरु	19/12/2023
केतु	16/07/2028	09:27:32	सिंह व	शुक्र	मीन	20:34:06	शनि	24/10/2026
शुक्र	16/09/2031	22:55:59	मेष	शनि	मिथु	02:23:48	बुध	13/05/2029
सूर्य	28/08/2032	19:06:57	कर्क	राहु	वृष	05:31:45	केतु	31/05/2030
चन्द्र	29/03/2034	19:06:57	मक	केतु	वृश्चिक	05:31:45	शुक्र	31/05/2033
मंगल	08/05/2035	20:55:48	मक व	हर्ष	कुंभ	08:26:14	सूर्य	25/04/2034
राहु	14/03/2038	08:46:12	मक व	नेप	मक	19:14:43	चन्द्र	25/10/2035
गुरु	24/09/2040	13:55:07	वृश्चिक व	प्लूटो व	वृश्चिक	25:36:40	मंगल	11/11/2036

लग्न-चलित

लग्न-चलित

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

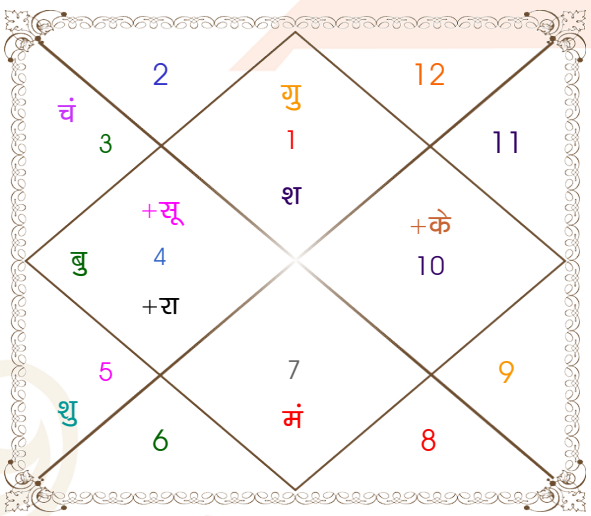

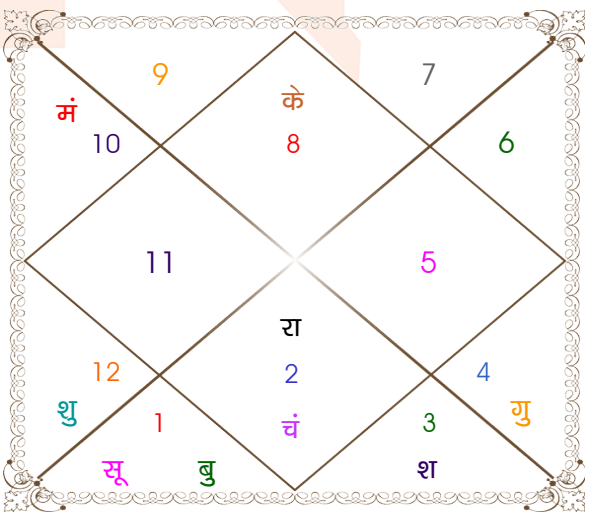

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	श्वान	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	वृष	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr. का वर्ग मार्जार है तथा Ms. का वर्ग गरूड़ है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr. और Ms. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Mr. कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Ms. कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms. कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।